



[illegible][illegible]

न्यायानामद्वारं मूर्तिर्जीवन्ती कुमा. उगदे कटिना विद्या. सग्रा मन्त्रावली धुला. न्याः
 निपायानि न्या. दधि. जीवन्ती ध्या. नध्या. यिनी. यद्गी. नीयद्वा. धारिव. यद्वा. मास
 नगासिनी. वासद्वा. यि. मदान्. ऊ. ह. मयधु. पुरा. कवी. विराम. धीध. वी. दा. वि
 यद्वा. पुरा. कवी. धीध. वी. दा. वि. यद्वा. पुरा. कवी. धीध. वी. दा. वि.

टि शारु व म रू विना ॥ मा व नी सर्व वृत्ताना त त्र धा क र्त्त व र्त्त वी सू न्य मा रु वि नी द
 वि ला व र्त्त व र्त्त वी मा व नी न य कि वि न मा र वि वि नी क स र्त्त द नी रिः
 न नि स र्त्त मा व नी स र्त्त व र्त्त व नी न र्त्त व र्त्त व नी न र्त्त व र्त्त व नी न र्त्त व र्त्त व नी न
 र्त्त मा र्त्त व नी स र्त्त व र्त्त व नी न र्त्त व र्त्त व नी न र्त्त व र्त्त व नी न र्त्त व र्त्त व नी न

धर्मधारासि, कर्मधर्मधाराविष्णु, विष्णुकाचारुमधुनी, वाधनीसर्वसत्त्वानां, वाधगक्रम
 न्यधवा, धानाधिमूर्किसयनि, रुदः । यादयकविनीवासवार्थसाधनीरुडाः ।
 त्रिरूपातिरुचिक, मादलनीरुदमा । ना, नक्षमागपुदसनी, वागीधवीम
 हासोनि, ग्याकधारिधधनददा, त्रिरूपधारनीसिद्धा, याधानीयागमधवी ।

3

मनादवागदाकानि, गुरु, ग्याधिरादलेन, लार्थवादा, रुपाविष्णु, सर्वधधगनात्मकिवानमा
 नमुमदादविमवेसत्त्वार्थदासनी, नम । रुदिवाधिव, वसुधावानमा, रुन्ता
 न्नासकव, नमनाम, त्रिकारययथादि । मा, याधानिनिरेमसिद्धि, मिमिनाथ
 मनावथा, रोदहानकनयाय, मानकवसूदावून, लन्नावेकदययासू, लन्नावानामरुक

मास मूथासावसव्यना सफजानि सागरुवक प्रियत्वा दयवाक्यं वृषपायिरदसन
 विवकृति येषु कयषु नादयमय जा यन मूनकुमिध्वेववपायि यत्नाः
 पाप्मसूखावनि ॥ ॥ मूयेष्टीमाज नदसूखावामासंसाय ॥ ॥
 १३ नमारुगवन मूयेसायसं रुवाय ॥ नमावदाय ॥ ॥ वमयासुममकस्मिन्मय

रुगवान् वज्रविह वनि सा सवेस वलवज मयधि छायावज कालिन्ध वृक्षानूलावन
 वज्रसमाधिसमायन रुनावज कालि वृक्षानूवन सववृक्षाधि छाना ॥ ॥
 सवेवाधिसन्नाधि छाना ॥ वज्रका धमरुन वज्रसावयुसावनन्य ॥ ॥
 मूठयमयय सखदधमि व सवजाउनिहन सदेमस्ति व सवेजायवाजिन

सर्वसत्त्वविद्याय वा क र सर्वसत्त्वत्मादन क र सर्वविद्याकृद न क रं सर्वविद्यामरु न क रं ॥
 सर्वकर्मो विधं स न क रं सर्वकर्मो विद प न क रं सर्वगुहात्मादन क रं सर्वगुः
 हविमाक न क रं सर्वकर्मो य स क रं सर्वविद्यामरु क र्म क र्माय नं श्रीसिद्धि
 नासिद्धन क रं सिद्धानाया विनां स न क रं सर्वकर्मो य द सर्वसत्त्वानुल क रं ॥

निक कृष्टिक सर्वसत्त्वाना माद न क रं ॥ ४० ॥ मं मल म हा व र्ग सर्ववृद्धान् हा वा य क र्माः
 व ऊ या मि ॥ ४१ ॥ रा व र्ग ॥ ४२ ॥ न मा व र्ग ल या य ॥ ४३ ॥ न मः र नु व ऊ पा द य ॥ ४४ ॥
 म हा य क र्मा स ना य र्ग य ॥ ४५ ॥ य था ॥ ४६ ॥ न न नु हा य र्मा हा ॥ ४७ ॥ श्री श्री
 म स र व न म स मा क ॥ ४८ ॥ श्री श्री मा र्ग रु प रा क र्मा रु न वा क था ग न ॥ ४९ ॥

१०८ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गृह्य कृतं पर्वण्यं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 वाधिसूत्रं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 सोमं यज्ञं कर्त्तव्यं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वाष्पानि यवहविषानि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गमयन् यज्ञादाय नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 यज्ञिना यज्ञादाय नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 रुद्रमाह २८ दि १ दायय २ धानादि सिद्धमयय नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ थाव हि माय सुखाय ॐ सासेवेन थागना हृष्टि वीज यानाम धारणी धारय नृपय सार्वभौम सुखसुसुखं दीर्घायुस्सुखं नाम धारय ॥	मिथ्या ज्ञेयं त्वं यो वेदा किं न त्वं वा वाधि युना त्वं त्वं नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय
सुखमदासुखं सुखाय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय	ॐ नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय
नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय	ॐ नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय

॥ कथं निश्चयं यद्वा यम नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय	विष्णुद नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय
निगमसुखाय विष्णुद उद्गी वीज यानाम धारणी धारय नृपय सार्वभौम	ॐ नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय
सुखमदासुखं सुखाय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय	ॐ नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय
विष्णुद नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय	ॐ नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय नृपय

[illegible]

सुमति नथ ना रुन काटि सवि लु विमू न वू द लु द्वा ऊं द ऊ य २ वि ऊ य २ सा व २ सू व २ लू व य २
स व द्वा ना धि द न ना लं लु द्वा २ वू द्वा २ महा व ऊ व ऊ ग ऊ ऊ य ग ऊ व ऊ का का वा ग
ऊ व ऊ ऊ व व ऊ स ऊ व व ऊ व ऊ नी व ऊ रु व ऊ स व स ल्वा ना के का ये य वि सु धिः
रु व ऊ स व ग मि पा व सु धि य स व न थ न ना थ मा स मा स्वा स मु ना ऊं वू द्वा २ सि द्वा २ वा ध य २

॥ दानं लावना यो मया कनक्षया वाधिसन्तमदासममदवायम् ॥ यः कश्चिद्वक्त्रपूजा वा
कुर्याददिना वा नृणां गरिबायुहाया ॥ यमिमां यो वक्तुं कामनन कथं सखिः ॥ १२
नयं ॥ १ वं मूकः स्यात्वा यो वाकिनक्षय ॥ वाधिसन्तमदासन्तः नृणां यो वक्त्रपूजा वा
कुममदवायम् ॥ यः कश्चिद्वक्त्रपूजा वा कुर्याददिना वा नृणां गरिबायुहाया यमिमां यः ॥

॥ यो वक्तुं कामननेव वा कश्चिन्मया ॥ १ वं मूकः स्यात्वा यो वाकिनक्षय वाधिसन्तमदासन्तः
नृणां यो वक्त्रपूजा वा कुर्याददिना वा नृणां गरिबायुहाया यमिमां यः ॥ यः कश्चिद्वक्त्रपूजा वा
कुममदवायम् ॥ यः कश्चिद्वक्त्रपूजा वा कुर्याददिना वा नृणां गरिबायुहाया यमिमां यः ॥
नयं ॥ १ वं मूकः स्यात्वा यो वाकिनक्षय वाधिसन्तमदासन्तः नृणां यो वक्त्रपूजा वा
कुममदवायम् ॥ यः कश्चिद्वक्त्रपूजा वा कुर्याददिना वा नृणां गरिबायुहाया यमिमां यः ॥

13

दृष्ट्या धर्मान् वक्रधातुन व्यपधातुन वक्रविज्ञानधाम् यावन्मना विज्ञानधाम् नादिभ्य
कृया यावन्मना भवत्येकय नद्वयन समुदयान निबाल्यान मात्मान मागैः
नवपनज्ञान नसायिकरमाहृदि मा विपुलमयायित्वावाधसत्यमहासत्य
सहोवायमिमा मासत्यविदवाकि वित्ताववममातुत्वात् नूनतुल्यविययासाभिकामाः

निहानि को मया दमये वृद्धे ययि ४ पुहा या वमि ना माह स्तानू रुवा सम्यक् वाधि वरि सम
 द्या। सत्मा रुदि एवि यं रुहा न वी ४ पुहा या वमि ना मनुः महा विद्या मनुः मे
 नू रुवा मनुः न स मा मनुः न स म मा मनुः सर्व ४ स्व पु मा मनु ४ सम्यक् मि
 एहा ता नू पुहा या वमि ना ये रुध न म अथा ४ न न म न या व म न या व स म न वाधि स्तानू

मान व एवि यं गं रुवा यां पुहा या वमि ना या नि शि रु क र्वा वाधि स तन म दा स तन ॥ अथ
 खलू रु म दान न सत्मा रुदि न सत्मा रुदि रु
 त्वा य म दा स त्वा य ॥ साधू का रे म दा म स
 पुहा या वमि ना या ४ रुवा य थ ल या नि दि रु म द नू मा य स ये न थ ग ने व रुदि ४ सम्यक्

[illegible][illegible]

मात्रिनिनामदवनाया नामजानामिनामायिनदधन नगृधन ननिबधन नसूखन नद	मात्रियेदवना नामजानामिनामायिनदधन नगृधन ननिबधन नसूखन नद
धन ननामुमयगमि सादरिदवा	मात्रियेदवना नामजानामिनामायिनदधन नगृधन ननिबधन नसूखन नद
मकुपदानिरुयमिधमशथाधयदाकुम	मि उदरा ममि वेवममि उमममि म
कममि वनममि गुलममि रवममि नर्क	मि उदरा ममि वेवममि उमममि म
	मि उदरा ममि वेवममि उमममि म

विदवनायापधमाता नय उत्यधमातायय वाऊकवनामातायय धजनपननामाता	विदवनायापधमाता नय उत्यधमातायय वाऊकवनामातायय धजनपननामाता
यय दमिरुयमातायय यीरुयमाता	यय अमिरुयमातायय उदकयमाता
मायय सधययकधिरुयमिरुमा	मायय अकयय ननाकयय मयि
नय मिरुनामयय सधनामयय नयथाध	मायय अकयय ननाकयय मयि
	मायय अकयय ननाकयय मयि

मिहकसुधमपूवनानिपयसुखमरुनवऊययकमायवावीरयात्यवदमवसाक
 वजाऊशीरुसासुहदयप्रमिछाप
 नउग्रउयवपाविवाडावाडवपाथः
 मिजाडावाविवाकवमि, कसोविदवायवदरमि, कयोसिपुनमपदरमि, कयोवि

१६

दिवोयसुलानामत्यावमकयेनि॥ उवसत्यानूयदुदववधयनि, मरेणयमुहगवानु
 नाहसधमोययय, रुगवनेसाभगी
 नयानाहसाधसाधवउयासियत
 यामिगुद्वनवकपागनायविषकमिभनकूनसाधवमनसिकवूलापिषाक, गहा

नामपदवृत्तानामनिकुशानिलिखन्नां पुत्रादिभिरुक्तमवदितापूजामयकेयपानुक्रमस
वेष्टुहदनसवसायनस्थानि ४ नगदायः
वाष्पसुवाष्पवनिन्नव ५ वयवमाज
कदाचित्महानमग्रननेजसाः पूजानवापुवकागिमकावापिकथाक्रमनानुधसवृत्त

२०

गद्योपादमूननथागमसुदृढाकयविक्रिडितनामवस्तिनिष्ठावृत्तानामदिप्रवस
यानिस्मृतामथखनननृत्तमवकमव
नादमनानथागमसम्यक्वद्वसवामि
म्यजान्तिनीपत्यकनाजवीपुटारुत्वारुगवकमनदवावन् ॥ जेनगुदोनावय

रुगदन्तमथागममरुमाः सम्यक्कृतः न इत्येवमुक्तमगदाभ्यसेपशोचं चनवयसव
 सामग्रीरुत्तामस्यधर्मैरुक्तमवद्वग
 निरुक्तस्यनेदस्यविद्वाननसकुप
 मावधधननावधकक्याम् ॥ अथरुगवान् लोकमनीमथागमा इदं सम्यक्कृतः

२१

बुद्धागदानापुजामक्रुत्वापमस्ययथाकमरुदनदिनाप्यउचदि साप्यगन्धमयुनरु
 त्यादादसागवप्रमासकृत्वातिरुक्कालि
 कमिन्नयममध्याविनयम् ॥ ८ वरुमाः
 रुत्तामस्यविमगपुसं ॥ ९ मयाकारुत्वादा ॥ १० एतासवमादा ॥ ११ वरुमाः

यस्मादा॥ ॐ व दायसाह ॥ ॐ हागासादायसादा॥ ॐ मरुवाहगायसादा॥ ॐ रुद्रवधे
 यस्मादा॥ ॐ नममयिवायसादा॥ ॐ
 मिनवयदा॥ मरुयदददयानि॥ य
 दितासायादिमाष्टमस्तमस्तुलकंरुखा॥ दारणागुलपुमानरुगुवयवमुदावयवमु

२२

कवनसारनकदागावसमानिकरुयवम ॥ धनिकमवायविक॥ ॐ आदितायसा
 दा॥ यवेदव॥ ॐ वदाममविकुमाय
 वमाकूमावायनमासादा॥ यविम
 वदव॥ ॐ वादिमवधुनिर्नमायनमासादा॥ अनियादिसिदव॥ ॐ नमाष्टुद्रधि

भित्तनयनसुवाह मायस्वादाशने अरुदव ॥ १ ॥ सनिधायस्वादाश वायुदव ॥ २ ॥
 विन्दनवकृत्वाधवासिन वादाह मांज नमोन्निरासनमस्वादाशने ॥ ३ ॥
 दिदव ॥ ४ ॥ धूमावर्गमन्निरासनमः स्वादाश ॥ ५ ॥ मधुनपुष्टेदावदुष्टरगवान्
 दन्तिनदाववकृत्वाधवासि यन्निमदाववाकनाथ ॥ ६ ॥ उरुवदावमरुणीकुमाववापुवाह

२३

वकाशसवगदा पुष्टेदन्तिनसवनरुजासि दन्तिनयन्निमकाशसर्वेष्टव यन्नि
 माहवकाशरुदाविका मदाविद्याः स्वकनीमावन्नविमूखातिनडावदु
 जादसदयनमूहा दन्तिनोक्तनि गीतावधवा दन्तिनोक्तवत्तदु
 चया वामयागनीकधवा वत्तमकृदिनी वज्रयकायुदिका वडासनासिनावाः

उ स व र्गो का वा ४ स वा र का र रु धि ना ॥ म गु ल वा र वा दे ॥ ए व न ध न वा द स्य द धि
 न द न्ति ए वि वृ ध क स्य द धि मा स ॥ य न्ति म वि वृ धा क स्य न्ती व ॥ उ रु
 व क व र स्य द धि मा ल रु क ॥ सि द्ध
 न पु न्या दि पू जा क रु द्वा ॥ ए स्य क व र्ग रु द न य ना का दा रु द्वा ॥ ए स्य क दी य द य ४ द्यु नः

२७.

म ध ना सं ख पु र्वा यि ता य र्क र त्वा स्य दि ष्वा र्थ य ॥ स र्ध पु म्पु र्वा य टा द य मि मि ॥ ए वं वः
 म्पु र्वा स न म्पु र्वा यि ता नि रु द मि ॥ न म ४ स र्ध म्पु र्वा ग न रु द स र्वा सा य
 यि य व क रु स व पा रु कि न स्या द्वा ॥ व त्वा गु य स्य म्पु र्वा ॥ ए वं पु र्वा क रु द यः
 रु ध म्पु र्वा स र्ध म्पु र्वा स न्ते रु द य द क रु ॥ ए व हि पु र्वा जि ना ४ स र्ध गु र्वा यि वि ध य्वा यि न रु

दद्यानिविप्रयानहोगः सोऽस्मिन् अनयनस्य वि॥	ॐ मानि वय उ या नि न वय द	
नामनुपद ह द यानि यथि न सि द्वा	नीरु वनि ॥ यनय म व र्ण रु द न ग	२३
भम धु व कं रु ला दा रा गु ल पु माः	स म र्धि पु उ यि न क्कानि नाम मृ नः	
मय कन क वृ ष्या दि रु क न न श्र य द त्वा र	क्ष ल व स न व यान् पु व क र्ण मृ य रु	

ना ऊ प द पु न व डु पा वि गु मा रु का ना म धा र ती म नु य दानि स य वानु वा व वि म र्णो	
नि ॥ न मे र्ण स र्ग गु रु आ दि ला द या र	आ व र न गु पि क वि वि मि ॥ स र्ग गु द
दा वि डु मा र यि वि मि ॥ ग मा र य वा दी द	य रु वि वि मि ॥ य र ख र य ल व रु पा
स्वा रि द्वा रि रु र्ध पा स का य स का वा ज्ञे य वा स न जा मि या य वा क र्ण यू ट नि यः	

निष्पत्ति न न न कार मृत्तु ना कार करि स्थिति यत्पि त्वनू पूर्व व ऊ या (विगु द म धु ल म ल)
 पूरु चित्तादि नदि न वा ययि स्थिति ॥ न न मृत्तु धर्म लान व म्म सर्व गु दः स
 सद्यो न्म ना सद्यो मा ययि पूरु चित्तादि स्थिति न न मृत्तु वा दयि दा वि दु ना सयि स्थिति
 मथ स रू र ग वा धा क नू नी न धा न न यून ययि य द मा रू काना म धा र वि म नु य दानि रू

२५

स न म्म न मा र ल ग या य न म वृ द्वा य न मा ध मा य न मा स द्या य न मा व ऊ ध वा य न मा य
 म्म वा य न मा कू मा वा य न मा स व य द ना सद्यो मा ययि पूरु काना न मा न नः
 वा धा न मा द्या द म्म वा सि ना न मा स व य द वा धा न म्म वा धा ॥ ५ ॥ वृ द्वा र व ऊ र
 य द १ स व १ पु स व १ की उ १ की उ य १ मा र म्म वा य र १ म द य १ द्या न य १ सद्यो विः

द्यामि न २ रि न २ रि वि वि द्या न कु २ २ क य य २ सान २ दान २ डा ग य २ ड म २ ड स
 य मा लान रु ग य मि व न २ मा स र्धे स र्धे खाना के सु व ग ह न न कु वि ड नि वा र
 य २ रु ग य मि सु य कु २ म दा मा य सा ध य र्धे स र्धे द हान ना स य स र्धे पा पा
 नि र्ध र्धे सु २ रु २ र्धे सु २ म र्ध २ म र्ध के २ रु वा रु व उ ल उ ल म र्धे सु र्धे २ म रु ग

२१

य मि म ना र्ध ॥ ॐ स र्धे म पा ग मा धि रि न स म य सा हा ॥ ॐ सा हा ॥ ह सा हा ॥ हा सा
 हा ॥ ध सा हा ॥ धी सा हा ॥ न्ना दि वा य सा हा ॥ ॐ सा मा य सा हा ॥ ॐ ध र्ध
 धी स मा य सा हा ॥ ॐ वु डा य सा हा ॐ ह ह स म य सा हा ॥ ॐ ह ह स म य सा
 हा ॥ ॐ ह ह स म य सा हा ॥ ॐ वा द व सा हा ॥ ॐ न व सा हा ॥ ॐ वु

दा य स्वादा ॥ ॐ वज्र धवा य स्वादा ॥ ॐ वज्र धवा य स्वादा ॥ ॐ कृमा वा य स्वादा ॥ ॐ स
 वगुदा ना स्वादा ॥ ॐ सर्वे न कृमा ना स्वादा ॥ ॐ सर्वो य उ वा मा स्वादा ॥ ॐ
 रुग व स्वे स्वादा ॥ ॐ दाद स वा सिः ना स्वादा ॥ ॐ सर्वे वि श हूँ हूँ हूँ हूँ
 ह स्वादा ॥ ॥ ॐ मा नि वज्र पाणि गुह मा रु काना म धा व धी म नु य दानि स र्वे सिः

२४

दि क वा नि व ॥ य य स्व व प ॥ वज्र पाणि ॐ मा नि धा व धी म नु य दानि का रि क
 मा स स्वा गु य प न्द स र्वा म मी र स्वा या धि का रु त्वा वा द स रु द सि गु ह न
 रु ग म म न म धा व ज यि त्वा दि न दि न स र्वा वा वा य रु क म न नः सो
 र्वा मा स्वा म दा वा रु वा य य रु म दा वा वा रु मा रु त्वा रु स न व न नि वे वा नी न्न य

मृत्पु रुयन रुवि स्थानि ॥ ३ ॥ स्थापान रुयन रुवि स्थानि ॥ ४ ॥
 जामि स्थापान रुवि स्थानि ॥ ५ ॥ सर्वगुहाय ॥ ६ ॥
 स्थान रुयन रुवि स्थानि ॥ ७ ॥ अथ नमो सर्वगु ॥ ८ ॥
 माहि मा न्मृत्पु स्थानि ॥ ९ ॥ ॥ ० ॥ दम वाय रुयन रुवि स्थानि ॥ १० ॥

सावरा वो वमी यसे राद वमान्वा सव वा क गन्ध र्थे स्थ वा क रुग वना रा स्थान रुयन
 निमि ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥
 ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥

३१

मिकपूतिक सर्वसत्त्वानामादनकथं वृत्तमशक्तमिदं वाशकं दानुसककुत्त

